10/5/21

ताई

मौखिक

(क) मनोहर की बहन का क्या नाम था ?

उ- मनोहर की बहन का नाम चुन्नी था ।

(ख) रामेश्वरी को कौन-सा सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था ?

उ- रामेश्वरी को संतान प्राप्ति का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ था ।

(ग) रामजीदास के छोटे भाई का नाम क्या था ?

उ- रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था ।

(घ) मनोहर ने ताई को क्या मँगवाकर देने के लिए कहा ?

उ- मनोहर ने ताई को पतंग मंगवाकर देने के लिए कहा ।

(ङ) छत से गिरने पर मनोहर को कहाँ चोट लगी ?

उ- छत से गिरने पर मनोहर को टाँग में चोट लगी।

लिखित

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) बाबू रामजीदास धनी आदमी थे।

(ख) शास्त्र में लिखा है कि जिसके पुत्र नहीं होता, उसकी मुक्ति नहीं होती।

(ग) एक दिन रामेश्वरी छत पर टहल रही थी।

(घ) एक सप्ताह बाद रामेश्वरी का ज्वर कम हुआ।

Date ______
Page ______

2. किसने, किससे कहा ?

(क) ~~[illegible]~~

(क) "ताऊ जी, हमें लैलगाड़ी ला दोगे ?" - मनोहर ने रामजीदास से

(ख) "ताई को नहीं ले जाएँगे।" - मनोहर ने रामजीदास से

(ग) "इसे खोपड़ी पर लादना कहते हैं ?" - रामजीदास ने रामेश्वरी से

(घ) "इसे मेरे पास लाओ" - रामेश्वरी ने रामजीदास से

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) ताई को मनोहर नफरत करता था। इसका क्या कारण था?

उ- ताई को मनोहर नफरत करता था। इसका निम्नलिखित कारण है-

(i) मनोहर अभी बच्चा था। उसमें समझ की कमी थी।

(ii) ताई का व्यवहार मनोहर के प्रति अच्छा नहीं था।

(iii) मनोहर को ताई ने अपनी गोद से हकेल दिया था।

(iv) रामेश्वरी के अपनी कोई संतान नहीं थी। रामजीदास मनोहर को बहुत प्यार करते थे।

(ख) ताई का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ ?

उ- ताई हमेशा मनोहर तथा रामजीदास पर क्रोधित होती रहती थी। वह किसी भी दशा में मनोहर नहीं देना चाहती थी परन्तु कहा जाता है कि समय सब कुछ बदल देता है। ऐसा ही एक दिन हुआ। जब मनोहर का पैर मुँडेर से फिसल गया। उसकी आवाज को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर ताई रामेश्वरी के मुख से चीख निकल पड़ी। मनोहर के नीचे गिर जाने के कारण उसकी टाँग की हड्डी टूट गई। इस घटना के बाद ताई का हृदय परिवर्तन हो गया।

(ग) रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप में क्या करती थी ?

उ- रामेश्वरी बेहोशी की हालत में प्रलाप करती थी क्योंकि जब मनोहर छज्जे से नीचे गिर पड़ा, यह देखकर रामेश्वरी चीख चीख मारकर छज्जे पर गिर पड़ी। रामेश्वरी एक सप्ताह तक बेहोश पड़ी रही। कभी-कभी बड़े जोर से चिल्ला उठती। उसे

Date ______
Page ______

इस बात का खटका लगता था कि शायद वह मनोहर को विपत्ति से बचा सकती थी और बचाने में देर कर दी। इसी प्रकार के प्रलाप वे किया करती।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

(क) इसलिए रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए क्यों कहते थे? रामेश्वरी मनोहर से घृणा क्यों करती थी?

उ- रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्रेम करने के लिए इसलिए इसलिए कहते थे कि वे स्वयं भी मनोहर को बहुत प्यार करते थे। वे नहीं चाहते थे कि मनोहर को किसी प्रकार का कोई ~~कष्ट~~ कष्ट हो। रामेश्वरी मनोहर से ~~इसी~~ इसीलिए घृणा करती थी क्योंकि मनोहर रामेश्वरी का अपना बेटा नहीं था।

Date________
Page________

(ख) रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती? ~~जैसे- ऐलगाड़ी के माँगने पर ताऊजी~~ एक उदाहरण दीजिए।

उ- रामेश्वरी को जब भी अवसर मिलता तो वह मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती जैसे- ऐलगाड़ी के माँगने पर ताऊजी ने कहा लादेंगे। जब रामजीदास ने मनोहर से ऐलगाड़ी में किस-किस को बिठाने की बात पूछी, तब मनोहर ने ताई जी के लिए म मे उत्तर दिया। रामजीदास मनोहर को उनकी गोद में बिठाने की चेष्टा की तो रामेश्वरी ने उसे अपनी गोद से धकेल दिया।

~~(ग)~~ भाषा-ज्ञान

1. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) भौंहे तानना- क्रोध करना / नाराज होना

वह स्वभाव से ही क्रोधी है, छोटी-छोटी बातों पर भी भौंहे तान लेता है।

(ख) गिरगिट की तरह रंग बदलना- अवसरवादी होना / सिद्धांतहीन होना।

रानी का विश्वास मत करना, वह तो गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

(ग) मुँह ताकना- दूसरों पर निर्भर करना।

जो कर्मशील होते हैं, वे किसी का मुँह नहीं ताकते।

(घ) आँच में घुला करना- चिंता करना / चिंतित रहना

जो हमारे वश में नहीं, उसके लिए आँच में घुला करना व्यर्थ है।

(ङ) हृदय से लगाना- अपने दिल से जोड़ना

काफी समय बाद मिलने पर अपने बेटे को हृदय से लगा लिया।

Date
Page

2. निम्नलिखित गद्यांश में विराम-चिह्न का प्रयोग कीजिए-

बाबू साहब उसे अपनी अर्धांगिनी के पास ले गए और बोले, "लो इसे प्यार कर लो, तो यह तुम्हें भी ले जाएगा।" परंतु बच्चों की तरह श्रीमती रामेश्वरी को पति की यह चुहलबाजी अच्छी न लगी।

क्रिया कलाप

(i) नाच न - आँगन टेढ़ा

(ii) पलकें - बिछाना

(iii) गले का - हार

(iv) लोहा - लेना

(v) खबर - लेना

(vi) दाँत - खट्टे करना

(vii) घर का - उजाला

Date ______
Page ______

(viii) पहाड़ - टूटना।

(ix) आँखों का - तारा

(x) चोर की दाढ़ी - में तिनका

(xi) टीला - मिटना

(xii) नौ - दो ग्यारह होना

(xiii) टाँग - अड़ाना

YASH VARDHAN NAIK
VIII (A)